INDIA'S SCREEN ECONOMY ADDS RS 5.44 LAKH CR TO GDP

India's film, TV, and online content sectors delivered a combined Rs 5.44 lakh crore boost to the GDP in 2024, backed by Rs 5.14 lakh crore in output and over 26 lakh jobs—cementing their role as economic growth engines and major employers.

In 2024, India's film, television, and online curated content (OCC) sectors demonstrated their economic muscle by delivering a combined gross output of Rs 5.14 lakh crore (approx. US$16.8 billion). More critically, the sectors collectively added Rs 5.44 lakh crore in value to the country's GDP, reinforcing their role as pillars of India's creative and digital economy.

The television industry emerged as the largest contributor, accounting for Rs 3.1 lakh crore in gross output and adding Rs 1.8 lakh crore in value added. With over 16 lakh jobs generated, it remains the single largest employer among the three sectors.

The film industry followed with Rs 1.2 lakh crore in gross output and Rs 62,283 crore in value addition, supporting 7.04 lakh jobs across production, exhibition, and allied services. Despite ongoing challenges in theatrical attendance, the sector continues to play a vital role in employment and content exports.

Meanwhile, the OCC segment—comprising digital-first platforms and streaming content—registered Rs 74,756 crore in gross output and contributed Rs 32,203 crore in value added. It supported 2.8 lakh jobs, underlining the sector's growing relevance in the post-pandemic digital media landscape.

Beyond direct economic contributions, these sectors exhibit a strong multiplier effect—stimulating adjacent industries such as advertising, technology, production services, logistics, and talent development. Their growth trajectory aligns with India's broader digital economy ambitions and the government's focus on media and entertainment as sunrise sectors.■

भारत की स्क्रीन अर्थव्यवस्था ने जीडीपी में 5.44 लाख करोड़ रुपये जोड़े

भारत के फिल्म, टीवी व ऑनलाइन कंटेंट सेक्टर ने 2024 में सकल घरेलू उत्पाद में 5.44 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि की, जिसमें से 5.14 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन और 26 लाख से अधिक नौकरियां शामिल हैं- जो आर्थिक विकास इंजन और प्रमुख नियोक्ता के रूप में उनकी भूमिका को पुख्ता करता है।

2024 के भारत के फिल्म, टेलीविजन और ऑन लाइन क्यूरेटेड कंटेंट (ओसीसी) क्षेत्रों ने 5.44 लाख करोड़ रुपये (लगभग US$ 16.8 बिलियन) का संयुक्त सकल उत्पादन करके अपनी आर्थिक ताकत का प्रदर्शन किया। अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि इन क्षेत्रों ने सामूहिक रूप से देश के सकल घरेलू उत्पाद में 5.44 लाख करोड़ रुपये का मूल्य जोड़ा, जिससे भारत की रचनात्मक और डिजिटल अर्थव्यवस्था के स्तंभ के रूप में उनकी भूमिका मजबूत हुई है।

टेलीविजन उद्योग सबसे बड़ा योगदानकर्ता बनकर उभरा, जिसने सकल उत्पादन में 3.1 लाख करोड़ रुपये और मूल्य वर्धन में 1.8 लाख करोड़ रुपये जोड़े। 16 लाख से अधिक नौकरियों के सृजन के साथ यह तीनों क्षेत्रों में यह सबसे बड़ा नियोक्ता बना हुआ है।

फिल्म उद्योग ने सकल उत्पादन में 1.2 लाख करोड़ रुपये और मूल्य संवर्धन में 62,283 करोड़ रुपये का योगदान दिया, जिससे उत्पादन, प्रदर्शनी और संबद्ध सेवाओं में 7.04 लाख नौकरियों का सृजन हुआ। थियेटर में दर्शकों की मौजूदगी में चल रही चुनौतियों के बावजूद यह क्षेत्र रोजगार और सामग्री निर्यात में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस बीच ओसीसी सेगमेंट-जिसमें डिजिटल-फर्स्ट प्लेटफॉर्म और स्ट्रीमिंग कंटेंट शामिल हैं- ने सकल उत्पादन में 74,756 करोड़ रुपये दर्ज किये और मूल्य वर्धन में 32,203 करोड़ रुपये का योगदान दिया। इसने 2.8 लाख नौकरियां का समर्थन किया, जो महामारी के बाद के डिजिटल मीडिया परिदृश्य में इस क्षेत्र की बढ़ती प्रासंगिकता को रेखांकित करता है।

प्रत्यक्ष आर्थिक योगदान से परे, ये क्षेत्र एक मजबूत गुणक प्रभाव प्रदर्शित करते हैं-विज्ञापन, प्रौद्योगिकी, उत्पादन सेवायें, रसद और प्रतिभा विकास जैसे आसन्न उद्योगों को प्रोत्साहित करते हैं। उनका विकास प्रक्षेप पथ भारत की व्यापक डिजिटल अर्थव्यवस्था महत्वाकांक्षाओं और मीडिया और मनोरंजन पर फोकस के साथ सूर्योदय क्षेत्रों के रूप में संरेखित है।■